

सेवा में,

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

विषय:- अनुदान संख्या-27 में आयोजनागत पक्ष की जिला सेक्टर की योजना- “भवन निर्माण एवं बिजली पानी की व्यवस्था” के लिए वर्ष 2007-08 की वित्तीय स्वीकृति.

महोदय,

1. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय. विभिन्न मदों में व्यय वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-255/XXVII(1)/2007, दिनांक 26 मार्च, 2007 तथा पत्र संख्या-599/XXVII(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई, 2007, द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाये. निर्माण कार्य सम्बन्धी आगणनों पर सक्षम स्तर का अनुमोदन पूर्व में ही प्राप्त कर लिया जाय तथा यथा आवश्यकता नियमानुसार प्रशासनिक स्वीकृति पृथक से प्राप्त की जाय. सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) तथा अन्य सूचनाएँ एवं विवरण समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर परचेज रूलस) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग -1 (लेखा नियम) आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
2. योजना की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहाँ आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
3. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव/योजनाओं के सापेक्ष निर्धारित कार्यों पर ही किया जाय तथा किसी भी स्थिति में स्वीकृत धनराशि का व्यय अन्य मद में नहीं किया जाय.
4. अवमुक्त की जा रही समस्त धनराशि सीधे सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों के निस्तारण पर रख दी जाय तथा धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जाय.
5. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय.
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्ष के अन्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय.
7. अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा.

2/15-

क्रमशः..... 2

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 91-जिला सेक्टर योजना 9102-भवन निर्माण एवं विजली पानी की व्यवस्था की मानक मद 24-बृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा.

भवदीय

(आर०के० मिश्र)
अपर सचिव

संख्या-6821(1)/X-2-2007, तददिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
3. मुख्य वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
5. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
6. निजी सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन.
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
8. आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
9. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
10. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य / वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. वजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
13. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
14. गार्ड फाइल (जे).
- 15.

(ओ०पी० तिवारी)
उप सचिव

शासनादेश सं०-6821X-2-2007-12(28)/2006, दि० मार्च, 2008 का संलग्नक-

(धनराशि रु० हजार में)

क० स०	जनपद	भवन निर्माण एवं बिजली पानी की व्यवस्था योजना		
1	2	3	4	5
		पूर्व में निर्गत धनराशि	वर्तमान स्वीकृति	योग
1	नैनीताल	1347	653	2000
2	उधमसिंह नगर	1010	490	1500
3	चम्पावत	2222	1078	3300
4	देहरादून	4040	1960	6000
5	टिहरी	1750	850	2600
6	पौड़ी गढ़वाल	3232	1568	4800
7	चमोली	2222	1078	3300
8	उत्तरकाशी	2693	1307	4000
9	हरिद्वार	1884	916	2800
	योग	20400	9900	30300

(वर्तमान स्वीकृति रु० निम्नानवे लाख मात्र)

(आर०के० मिश्र)
अपर सचिव

plus